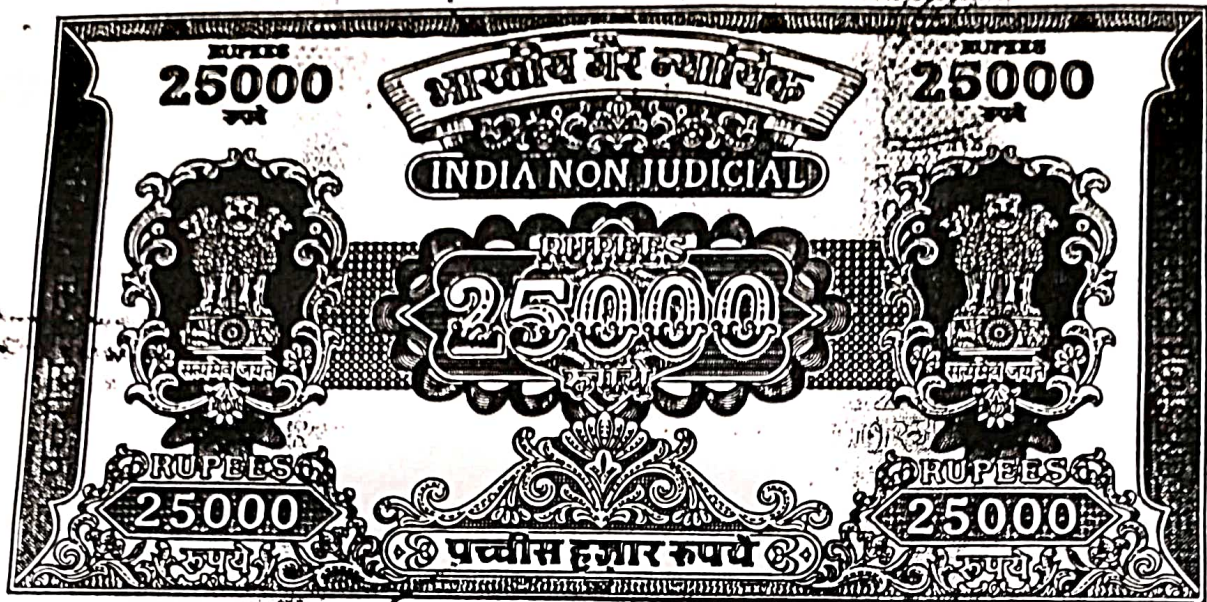




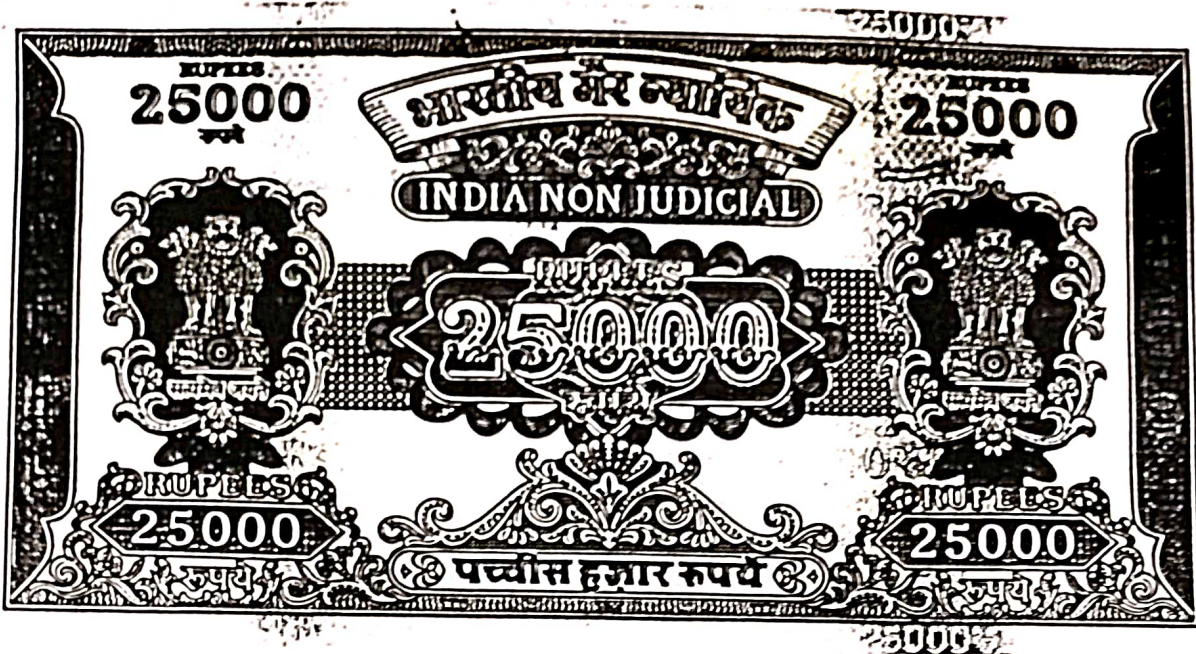
हरियाणा HARYANA

347263

किस्म वसीका	बैयनामा जरई
मालयती	55,00,000 / - रुपये
स्टाम्प	3,30,000 / - रुपये
स्टाम्प	खजाना रेवाड़ी के द्वारा क्रम संख्या 5557 दिनांक 27.11.2006 को जारी किया गया है।
शब्द	500
रकबा	4 कनाल 8 मरला
वाका	महेश्वरी
किस्म	चाही
रोड़ से दूरी	बीस एकड़

मनके श्री पोहप सिंह पुत्र श्री चन्दगी राम पुत्र श्री बख्तावर निवासी
महेश्वरी उपतहसील धारुहेड़ा तहसील व जिला रेवाड़ी बिस्वेदार महेश्वरी
का हूँ।

पोहप सिंह



हरियाणा HARYANA

347253

—3—

कोई रुकावट ना है। आज दिन तक आराजी हर प्रकार के भार से मुक्त है। मुझे बराये तरक्की दीगर जायदाद व खर्चा खानगी खुद रूपयो की आवश्यकता है सो अब मैंने अपने ठीक होंस हवास में अपने आत्म ज्ञान तथा प्रसन्न चित्त से बिना किसी दबाव व बहकाव के उपरोक्त आराजी तादादी 4 कनाल 8 मरला मय जुमला हक व हकूक हर किस्म हवाई व थली सहित बदले मुबलिग 55,00,000 /— (पचपन लाख रूपये) सिक्के सरकार के आधे जिसके मु० 27,50,000 /—रूपये होते है बदस्त एस.के.जी इस्टेट प्राईवेट लि०, बी.एन. 57 शालिमार बाग नई दिल्ली से बैय कतई व फरोक्त कर दी है। और कुल कीमत के चैक निम्न प्रकार से प्राप्त कर लिये है :—

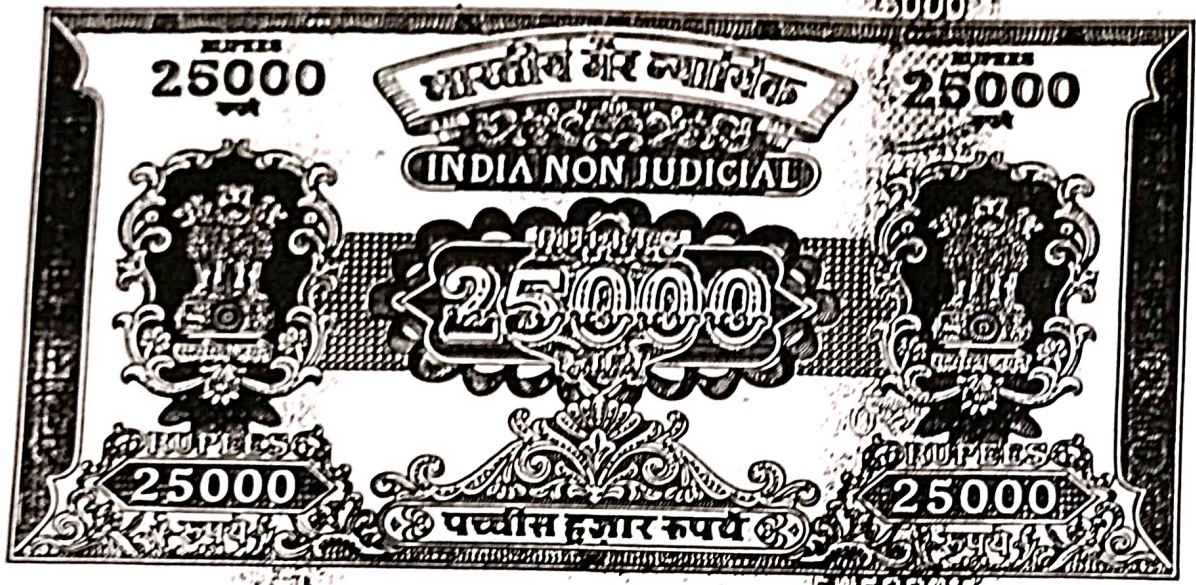
चैक नं० 809876 दिनांक 22.11.2006 मालयति 4,00,000 /—

चैक नं० 518253 दिनांक 27.11.2006 मालयति 16,00,000 /—

चैक नं० 518254 दिनांक 05.04.2007 मालयति 35,00,000 /—

सभी चैक पंजाब नैशनल बैंक शालिमार बाग दिल्ली शाखा द्वारा जारी

प्रोहपसिंह



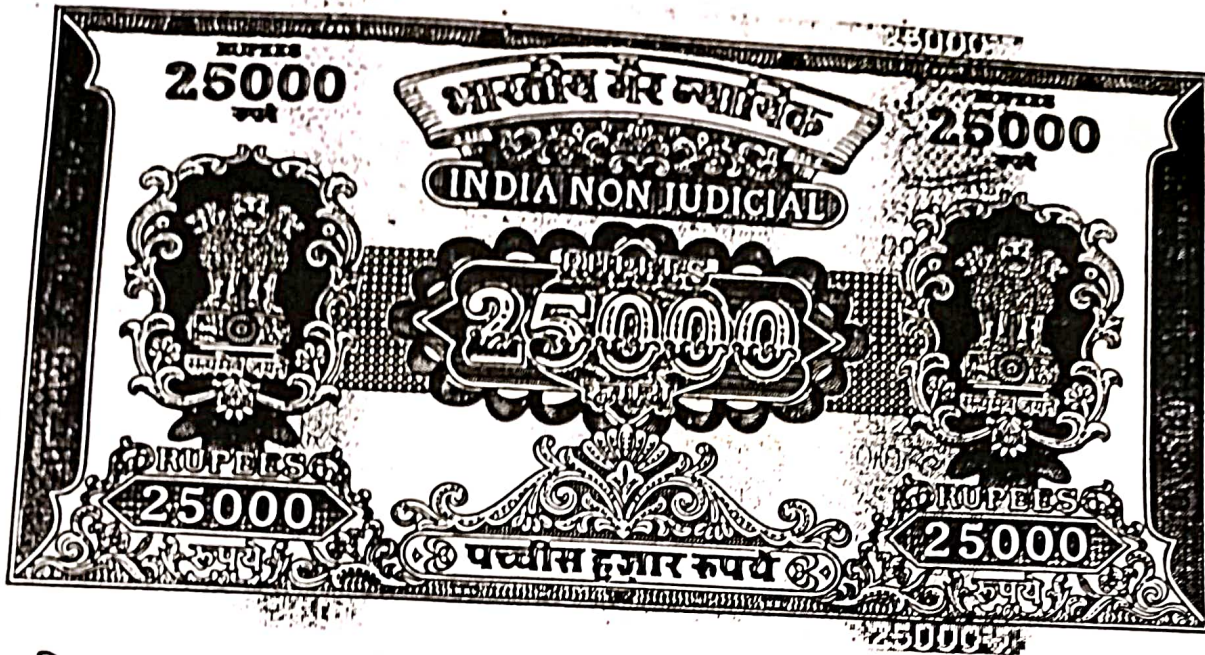
हरियाणा HARYANA

347254

—4—

किये गये है प्राप्त कर लिये है और अब कीमत में से कुछ भी लेना बाकी ना रहा है। कब्जा मौके पर क्रेता का कराकर उसे पूर्ण रूप से मुझ बाया जैसा मालिक व कायिज बना दिया है। विक्रय सम्पत्ति से अब मुझ बाया का कोई ताल्लुक व वास्ता किसी प्रकार का ना रहा है और ना भविष्य में होगा। यदि विक्रय सम्पत्ति में मेरा कोई हकदार किसी प्रकार का अगड़ा करेगा या विक्रय सम्पत्ति किसी नूक्स कानूनी या बाक्याती की वजह से कब्जा क्रेता से निकल जावेगा तो उस सूरत में उसकी पैरवी जवाबदेही, हर्जा-खर्चा व वापसी कुल कीमत की अदायगी की मैं बाया जाती तौर पर जिम्मेदार रहूंगा। इन्तकाल बैय बहक खरीददार दर्ज कराकर मन्जूर करवा दूंगा या इस बैयनामा की रूह से क्रेता खुद करा लेवे। चैकों की पेमेन्ट क्लियर होने तक क्रेता इस आराजी को बैय नही कर सकेगा तथा यदि कोई चैक डिस्आनर हो जाता है तो यह बैयनामा कौन्सिल समझा जायेगा। कुल खर्चा बैयनामा ईलावा कीमत के खरीदार ने अपने पास से लगाया है।

प्रो. प्रो. सिंह



हरियाणा HARYANA

347255

—5—

अतः यह बैयनामा लिख दिया है कि सनद रहे और समय पर काम
आवे फक्त तहरीर तारीख 27 नवम्बर 2006

DRAFTED BY MR.
ANIL KUMAR YADAV
Advocate
Dist. Court, Rewari

श्री पोहप सिंह बाया

पोहप सिंह

एस.के.जी इस्टेट प्राईवेट लि०, बी.एन.

57 शालिमार बाग नई दिल्ली

मारफत मनोज कुमार पुत्र श्री मोहनदास

निवासी कापड़ीवास

गवाह:-

गवाह:-

मल्लिकार्जुन देव, बी.ए. एड्.

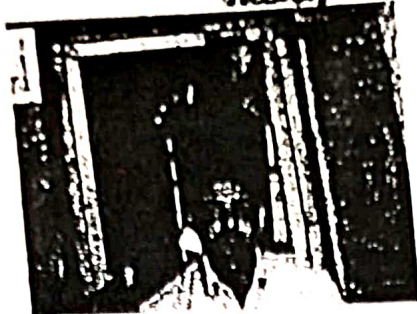
मलपुरा

Reg. No. 2364 Reg. Year 2006-2007

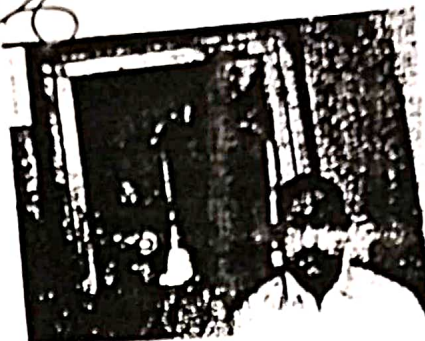
Book No. 1



विवेचना



वेनता



गवाह

वेनता
Pohap Singh

वेनता
Thru Manoj Kumar

गवाह :- Ganga Ram Namphardar

Malkhan Singh

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि यह प्रलेख क्रमांक 2,364 आज दिनांक 28/11/2006 को बही न: 1 जिल्द न: 23 प्रष्ठ न: 189 पर पंजीकृत किया गया तथा इसकी एक प्रति अतिरिक्त बही सख्या 1 जिल्द न: 689 के प्रष्ठ सख्या 87 से 90 पर चिपकाई गयी। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज के प्रस्तुतकर्ता और गवाहों ने अपने हस्ताक्षर/निशान अंगुठा मेरे सामने किये हैं।

दिनांक 28/11/2006

19/11/06
उप/संयुक्त पंजीयन अधिकारी
धारुहेडा